

झारखंड में परिसीमन हो : राजेन्द्र

रांची, हिब्ड्यू। झारखंड में परिसीमन कराने, लोकसभा और विधानसभा सीटों को बढ़ाने के साथ-साथ विधान परिषद का गठन करने की मांग को लेकर मूलवासी सदान मोचां के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के.राजू से मुलाकात की।

लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के नाम मांग पत्र सौंपा। राजेंद्र प्रसाद ने राजू को झारखंड की वास्तविकता से अवगत कराते हुए बताया कि झारखंड के 74 प्रतिशत गैर अनुसूचित जनजाति में 65 प्रतिशत मूलवासी सदान हैं, जो झारखंड के ही मूल निवासी हैं। राजेन्द्र प्रसाद ने कहा

कि झारखंड राज्य निर्माण में मूलवासी सदनों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन राज्य बनने के बाद मूलवासी सदनों को हर सरकार ने अनदेखी को है।[प्रतिनिधि मंडल में धनंजय कुमार राय, विशाल कुमार, मुमताज खान, प्रो अरविंद प्रसाद, विश्वनाथ गोप, चंदन प्रसाद, उमेरा खातून, प्रो राजू हजाम शामिल थे।

सचिवालय के सामने धरना देकर राज्य सरकार के निर्णय पर जताई नाराजगी, तिरंगा यात्रा निकाली सेवामुक्त कर्मियों का फूटा गुस्सा न्याय दो या फांसी से गूंजा शहर

रांची, हिन्दुस्तान ब्यूरो। झारखंड के प्रोटेक्ट भवन के सामने गुरुवार को 11वीं-13वीं जेपीएससी, फूड संपटी ऑफिसर, एसडीपीओ और सीजीएल के सेवामुक्त कर्मियों ने धरना-प्रदर्शन किया। पहले सड़क की एक लेन में अग्रथी धरने पर बैठे। इसके कुछ देर बाद नारेबाजी करते हुए प्रोजेक्ट भवन के गेट की ओर बढ़ने लगे। इसी बीच सभी अग्रथियों को पर्सर के अंदर प्रवेश करने से रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शन कर रहे सभी अग्रथी वहीं गेट के सामने सड़क पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। सभी ने एक स्वर में न्याय नहीं तो फांसी देने की मांग की। अग्रथियों ने गले में रस्सी बांध कर भी अपना विरोध जताया। इसके बाद शाम में अपनी मांगों को लेकर सभी अग्रथियों ने मोरहाबादी मैदान के बापू वाटिका से शहीद अलबर्ट एक्का चौक तक तिरंगा मार्च निकाला।

सुबह करीब 10 बजे से ही अग्रथियों का एक जत्था प्रोजेक्ट भवन कैम्पस के बाहर पार्किंग एरिया में बैठकर शांतिपूर्ण रूप से सरकार के फैसले का विरोध कर रहा था। अचानक प्रशासन की टीम पहुंची और उन्हें वहां से कुटे स्थित धरना स्थल पर जाने का निर्देश दिया। फोर्स भी बुलानी गई। लगाए गये टेंट खोल कर हटा दिए गए। प्रशासन के दबाव में अग्रथी वहां



तिरंगा यात्रा निकाल गुरुवार को विरोध-प्रदर्शन करते सेवामुक्त कर्मचारी।

से जाने के लिए तैयारी भी करने लगे। इस बीच सीजीएल के सफल अग्रथी बड़ी संख्या में पहुंच गये। सभी ने वहां आपस में मीटिंग की और वहीं पर

सड़क पर बैठने का निर्णय लिया। इसके बाद सभी सड़क पर बैठ कर नारेबाजी करने लगे। थोड़ी देर पहले तक जो पुलिस प्रशासन सफल

टीडीपीएल के हेड ऑफिस लखनऊ में सीआईडी की छापेमारी, सील

रांची, हिन्दुस्तान ब्यूरो। जेपीएससी की 14वीं सिविल सेवा परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी टीडीपीएल के सूची में लखनऊ स्थित हेड ऑफिस को सीआईडी ने सील कर दिया है। सीआईडी की टीम ने कार्यालय में छापेमारी कर 18 अगस्त को कंपनी से जुड़े कई दस्तावेज जब्त किए। इसके बाद कंपनी के कार्यालय को सील कर दिया गया है। कंपनी के एक निदेशक रामवीर सिंह को सीआईडी ने 23 जुलाई को गिरफ्तार किया था, जबकि दूसरे निदेशक सत्यपाल सिंह की तलाश झारखंड सीआईडी कर रही है। सत्यपाल सिंह की तलाश में सीआईडी की टीम ने लखनऊ, कांपुर समेत कई शहरों में दबिश दी थी। टीडीपीएल का मुख्य कार्यालय लखनऊ के

एक साल में बढ़ गया 19.39 करोड़ राजस्व

टीडीपीएल की स्थापना जुलाई 2010 में रामवीर सिंह, सत्यपाल सिंह और मोहम्मद तारीक ने मिलकर की थी। मोहम्मद तारिक वर्ष 2013 में कंपनी से अलग हो गए थे। कंपनी द्वारा 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 29 अगस्त 2025 को दखिल की गई नवीनतम घोषणा के अनुसार, रामवीर सिंह और सत्यपाल कंपनी के प्रमोटर हैं। दोनों के पास 50–50% हिस्सेदारी है, जिसमें प्रत्येक के पास 5,000 इक्विटी शेयर हैं। कंपनी ने अपने यहां 965 कर्मियों के होने की जानकारी दी है और बताया है कि ये सभी पुरुष हैं। वित्त वर्ष 2024–25 में टीडीपीएल के संचालन से कुल राजस्व 19.62 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2023–24 में यह 5.23 करोड़ रुपये था। वर्ष 2024–25 में कर चुकाने के बाद कंपनी का कुल लाभ 48.54 लाख रुपये रहा।

इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहा स्थित आदर्श कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर दो कमरों में संचालित होता था, हालांकि स्थापना के वकत इसका मुख्य कार्यालय कानपुर हुआ करता था। सीआईडी ने गुरुवार को जेपीएससी परीक्षा में अनियमितता से जुड़े केस में तीन सफल अग्रथियों व एजेंट उमाकांत

उरांव, मनोज कुमार व रोशन केरकेड़ा से पूछताछ की। 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा पास करने के एवज में तीनों अग्रथियों ने 10–10 लाख रुपये अग्रिम भुगतान की बात स्वीकार की है। अभय तिवारी ने एजेंट रमेश कुमार के लिंक से इन अग्रथियों से पैसे की वसूली हुई थी। उमाकांत खुद भी एजेंट की भूमिका में था।

 JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED (CIN No. – U40108JH2013SGC001704) GOVERNMENT OF JHARKHAND UNDERTAKING	
OFFICE: General Manager (CRITL/O/E) JUSNL Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834 002 (Jharkhand) (E-mail: cecriidl,jusnl@rediffmail.com) Website:	
e-Rfp Notice e-RFP, 456/PR/JUSNL/2026-27	
Jharkhand Urja Sancharan Nigam Limited invitesrequest for proposal from OEM/Authorized dealer of OEM (to be submitted in the e-Procurement Portal) for the following works:	
Name of work	Request for proposalfrom OEM/Authorized dealer of OEM for repairing along with erection,testing & commissioning of 2 no 50 MVA(Make - Toshiba) defective transformer of 132/33 Kv GSS,Shikaripara.
Earnest Money Deposit	Rs.11.85000/-(Including GST)
Completion Period	04 (Four) months
e-Tender fee	Rs. 11800/- (Including GST)
Start Date & Time of Download the Tender Documents	25.08.2026 at4: 00PM
Start Date and time of upload of BID	25.08.2026at4:10 PM
Pre-Bid Meeting	31.08.2026 at4:00 PM
End date and time of upload of BID	14.09.2026at4:00 PM
BID Opening date for Technical Part	15.09.2026at4:00 PM
BID Opening date for Financial Part	Will be communicated
Procurement Officer and address for communication	General Manager, (CRITL/O/E), JUSNL Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002
Detailed Invitation of Bids which includes instruction for submission of Bids and all other relevant information is available on http://www.jharkhandenders.gov.in. Bidding Documents are also available online. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned (+91-9471736495) during office hours. The firms that technically qualify will be informed for date of opening for financial part of Bid. Bidders are advised to note the minimum qualification criteria specified in bidding document. Interested bidders may participate in the bidding process as per instruction given in the bidding document. OFFICER INVITING BIDS:	
PR 387960 (Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd)-26/27 (D)	Sd/- General Manager (CRITL/O/E) JUSNL, Ranchi

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited

(CIN : U40108JH2013SGC001702)

Regd. Office : Engineering Building, H.E.C., Dhurwa Ranchi-834004,

Telephone : +0651-2400799 & Fax : +0651-2400799

<https://www.jbvnl.co.in>

E-Tender Notice No. 217/PR/JBVNL/26-27

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited, Engineering Building, HEC Admin, Dhurwa, Ranchi – 834004, Jharkhand invites E-tender from eligible bidders for "Selection of FMS vendor services of the SCADA / DMS work for a period of three (3) years to provide support & maintenance services of the SCADA/ DMS infrastructure established in three towns namely Ranchi, Jamshedpur and Dhanbad".

The tender documents with detailed conditions can be obtained through web site <http://jharkhandtenders.gov.in> and should be submitted in the envelope containing all relevant documents as mentioned in the tender document.

Sl. No.	Name of Work	Details
1	Name of Work	Selection of FMS vendor services of the SCADA / DMS work for a period of three (3) years to provide support & maintenance services of the SCADA / DMS infrastructure established in three towns namely Ranchi, Jamshedpur and Dhanbad
2	Date of Publication of NIT on website	21/08/2026
3	Date of Pre-Bid Meeting / Time	27/08/2026 / 03:00 PM
4	Last Date / Time for receipt of bids	05/09/2026 / 06:00 PM
5	Date and Time for Opening of Technical bid	07/09/2026 / 11:00 AM
6	Tender fee (Non – Refundable)	Rs. 5,000/- + GST @ 18%
7	Earnest Money Deposit (EMD)	Rs. 4,09,696/-
8	Contact email	itcell@jbvnli@gmail.com / itcell@jbvnli.co.in

स्वाहित एवं दायरहित मे कर्जा बचाये। कृपया अपनी शिकायतो को 18003456670(कॉल सेंटर) पर दर्ज कराये।

Sd/-
**General Manager (IT)
JBVNL**

PR 387983 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(26-27)D

विरोध का तरीका

गले में बांध लिया फंद़ा

कुछ अग्रथियों ने गले में फंदा डालकर विरोध जताया। सभी ने आरोप लगाया कि कॉचिंग फाफ़िया के दबाव में आकर सरकार ने परीक्षाएं रद्द की हैं। इसके चलते उनकी नौकरी चली गई है। यदि परीक्षाओं में गड़बड़ी हुई है तो सफल अग्रथियों की जांच कर लें, जो दोषी होंगे, उन पर सीधी कार्रवाई हो।

कोई गोद में बच्चा तो कोई बैसाखी के सहारे पहुंचा

सफल अग्रथियों में कई ऐसी भी पहुंची जिनकी गोद में छोटा बच्चा भी था। वे अपने हक के लिए दुग्धमै बच्चे को लेकर धरना पर बैठी रही। बैसाखी के सहारे भी अग्रथी पहुंचे। इस दौरान कई तो ऐसे थे जो अपने-आप को ही कोस रहे थे। उनका कहना था कि घर के मोह में उन्होंने झारखंड में नौकरी चुनी। क्या इसी दिन के लिए उन्होंने भारत सरकार या दूसरी नौकरी छोड़ कर झारखंड आए थे? सरकार ने जांच कराने के बजाय सीधे सड़क पर ला दिया है।

अग्रथियों को जबर्न हटाने के लिए निंशेद रहे थी, वह अग्रथियों की बड़ी संख्या देखकर प्रोजेक्ट भवन का गेट बंद कर किनारे हो गई।

अग्रथियों को जबर्न हटाने के लिए निंशेद रहे थी, वह अग्रथियों की बड़ी संख्या देखकर प्रोजेक्ट भवन का गेट बंद कर किनारे हो गई।

खुद को छला महसूस कर रहे विद्यार्थी : रिफॉर्म मंच

रांची, वरीय संवाददाता। जेपीएससी जेएसएससी रिफॉर्म मंच के रवींद्र पासवान और कुणाल प्रताप सिंह ने गुरुवार को कहा कि जेपीएससी व अन्य परीक्षाओं को लेकर सरकार ने छात्रों के साथ छल किया है। कोर्ट में जेपीएससी व अन्य परीक्षाओं को लेकर गुरुवार को हुई सुनवाई के बाद उन्होंने कहा कि कोर्ट में जो कार्रवाई हुई उसको देखकर हम खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। हमने मुख्यमंत्री और सरकार के डेलिगेशन की बात सुनी, हमें लगा सरकार का मंशा छात्रहित में है, लेकिन छात्रों के साथ छल हो रहा है।

कहा कि शुक्रवार को राज्य के सभी जिलों में सरकार का पुतला जलाया जाएगा। कुणाल प्रताप बोले, सरकार छात्रों को ठगने का काम करेगी तो 2 माह से पहले ही बड़ा आंदोलन होगा।

इधर, सीजीएल की एसआईटी में अब 17 सदस्य शामिल

रांची। सीजीएल परीक्षा की जांच के लिए गठित एसआईटी का विस्तार किया गया है। डीजीपी के आदेश बाद एसआईटी में कई आईपीएस अफसरों समेत 17 सदस्य हो गए हैं। जगुआर आईजी अनूप बिस्मरे के नेतृत्व में बनी एसआईटी में पूर्व से शामिल रहे डीआईजी वाईएस रमेश, केस के अनुसंधान पदाधिकारी हदीप पी जनार्दनन यथावत रहेंगे। अब स्पेशल ब्रांच एसपी सीरम, सीआईडी एसपी पूष्य प्रकाश, रोशन गुडिया, पुलिस मुख्यालय में पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षार एसपी निधि द्विवेदी और वैमनुर एसडीपीओ श्रुति अग्रवाल को शामिल किया गया है। टीम में सीआईडी के डीएसपी, इन्स्पेक्टर व एसआई भी हैं।

अभय ने स्वीकारी थी गड़बड़ी

जेपीएससी केस में पूछताछ के दौरान अभय तिवारी ने सीजीएल में भी गड़बड़ी की बात स्वीकारी थी। उसने बताया था कि कई अग्रथियों को लेकर बोधितोरा सिंह की मौजूदगी में उतर रटाने की बात अवध ने कबूली थी। मिथिलेश व एक अन्य निदेशक के बारे में भी अभय ने जानकारी दी थी। इधर, एसआईटी के विस्तार के साथ ही गुरुवार को 37 संदिग्धों से पूछताछ की गई।

अभय, उसके भाई व पत्नी रिमांड पर लिए जाएंगे। सीआईडी एसआईटी इस केस में जल्द ही अभय तिवारी के साथ-साथ 18 अगस्त को गिरफ्तार सगे भाई अक्षय तिवारी और पत्नी सुषमा तिवारी को रिमांड पर लेगी। अभय के साथ-साथ दोनों भी सीजीएल परीक्षा में उतीर्ण हुए थे। सीआईडी अब तीनों को एक साथ रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

- आज राज्य के सभी जिलों में विरोध स्वरूप पुतला दहन का ऐलान
- कल- विद्यार्थियों को ठगा गया तो जल्द ही बड़ा आंदोलन होगा

इधर, देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि हमने आंदोलन बल्कि अग्रथी के खिलाफ नहीं, बल्कि भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार, अनियमितता, अपारदर्शिता और व्यवस्था की खामियों के खिलाफ शुरू किया था, इसलिए हम अपनी मूल मांगों पर आज भी पूरी तरह कायम हैं। हमारी प्रमुख मांग है कि जिन परीक्षाओं में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं, उनकी निष्पक्ष, स्वतंत्र और विश्वसनीय जांच होनी चाहिए।

एक ही कोर्ट में परीक्षा गड़बड़ी की सुनवाई

एक्सवर्लूसिव

निधि कांत

मामलों को टैग कर तेजी से सुनवाई का निर्देश

पूर्व में जेएसएससी सीजीएल, जेपीएससी आदि प्रक्रियों परीक्षाओं में फर्जीबाड़े व पेपर लीक से जुड़े मामले अलग-अलग न्यायिक दंडाधिकारियों एवं अदालतों में लंबित थे। केस के बिखराव के कारण सुनवाई प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। हाईकोर्ट के निर्देश पर अब सिविल कोर्ट प्रशासन ने ऐसे सभी दर्ज केस को विहित कर अपर न्यायायुक्त-1 के कोर्ट में स्थानांतरित करने को कहा है।

(जीडी) परीक्षा-2026 में कथित गड़बड़ी, जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक व उत्पादसिपाही परीक्षा गड़बड़ी समेत अन्य मामले शामिल हैं।

परीक्षा से जुड़े मामलों में बड़ी संख्या में अग्रथियों का भविष्य प्रभावित होता है। ऐसे मामलों में जांच, आरोपियों की भूमिका, प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप और परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता जैसे महत्वपूर्ण बिंदु सामने आते हैं। ऐसे में इन मामलों की सुनवाई

के लिए अलग से सूचीबद्ध किए जाने को महत्वपूर्ण न्यायिक व्यवस्था मानी जा रही है।

आर न्यायायुक्त प्रथम की अदालत में सभी मामले आने से न केवल सीआईडी व एसआईटी द्वारा प्रभावित आरोप-प्रत्रों पर तेजी से संज्ञान लिया जा सकेगा, बल्कि जमानत याचिकाओं और गवाहियों का निस्तारण भी प्रार्थमिकता के आधार पर हो सकेगा।

हाईकोर्ट एडवोकेट एसो. चुनाव आज, मैदान में 96 उम्मीदवार

रांची, विसं। हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के 2026-28 का चुनाव शुक्रवार को होगा। इसमें 96 प्रत्याशी हैं। 12889 मतदाता वोट करेंगे। मतदान सुबह 11 से शाम 5 बजे तक होगा। 122 अगस्त को मतगणना होगी। कोषाध्यक्ष पद महिला के सुरक्षित है। वहीं, गवर्निंग काउंसिल के नौ सदस्य को चुना जाना है। इसमें महिला के लिए चार सीट आरक्षित हैं।

गवर्निंग काउंसिल के लिए 5 1

उम्मीदवार : अभिषेक कुमार, अखीर आनिवार, एलन एंड्रेन राकेश शर्मा, रंजु बाली, रश्मि, सीमा कश्यप, शबाना नवीन, शैल लाकड़ा, शंभुगुप्त, शशि कांत, प्रणाल, श्रेया, श्याम सुंदर, सूरज किशोर और तृष्णा सागर चुनाव मैदान में हैं।

विभिन्न पदों के लिए ये उम्मीदवार चुनावी रण में

- **अध्यक्ष पद** : वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार, महेश तिवारी, मनोज टंडन, आरएसपी सिन्हा, आरसी साहू और श्रेतु कुमार
- **उपअध्यक्ष पद** : अमरेश कुमार, वीरज कुमार, जयशंकर तिवारी, नवीन सिंह, प्राण प्रणय, राहुल कुमार गुप्ता और संजीव ठाकुर
- **महासचिव पद** : अमित सिन्हा, बिनोद सिंह, मयंक, नवीन व संतोष सोनी
- **कोषाध्यक्ष पद** : नलिनी झा, श्रेचा मेहता और विपुल दिया
- **सहायक कोषाध्यक्ष पद** : आकाश दीप, अंजनी कुमार, कोशल किशोर मिश्रा, एमडी फैजाल आलम, नमिता सहाय, रमेश कुमार और वीर विजय प्रधान
- **सचिव प्रशासन पद** : अमृतराज, अरुण दुबे, आशीष वर्मा, धर्म कुमार मालित्यार, कविता सिंह, मोती गोप, सुमित प्रकाश और विकास कुमार सिंह
- **सचिव पुस्तकालय पद** : अशोक, भोलानाथ, संजीव, शिवप्रसाद, शुभाशीष